बुधवार
26 जनवरी 2022

पृष्ठ 4

सर्दी में गाजर खाने से होते हैं चौकाने वाले फायदे

पृष्ठ 5

फिल्म बैजू बावरा की शूटिंग जल्द शुरु करेंगे रणवीर-आलिया ?

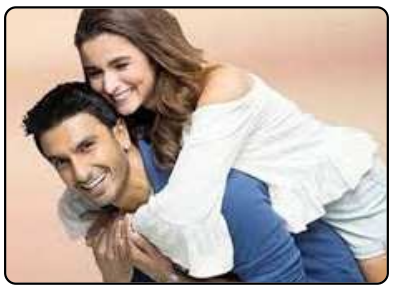

● देहरादून
● वर्ष 29
● अंक 03
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जीवन में कोई चीज इतनी हानिकारक और खतरनाक नहीं जितना डाँवाँडोल स्थिति में रहना।
– सुभाष चंद्र बोस

दूनवैलीमेल

30 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com आर.एन.आई.- 59626/94 Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। देश और प्रदेश में आज 73वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। जहां देश की राजधानी दिल्ली में इस अवसर पर राजमार्ग पर भव्य परेड का आयोजन किया गया और राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद ने परेड की सलामी ली और ध्वजारोहण किया वहीं उत्तराखंड की राजधानी दून के परेड ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(सेवानिवृत) ने परेड की सलामी ली और ध्वजारोहण किया गया।

प्रदेश की राजधानी दून में आज गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। सभी सरकारी भवनों से लेकर तमाम राजनीतिक दलों के कार्यालयों में इस अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वही परेड ग्राउंड में इस अवसर पर भव्य परेड का आयोजन किया गया तथा राज्य की संस्कृति व सभ्यता को प्रदर्शित करने वाली झांकियों का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर आयोजित परेड की सलामी राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने परेड की सलामी ली तथा ध्वजारोहण किया।

आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने भाजपा मुख्यालय में ध्वजारोहण किया वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कांग्रेस भवन में ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज अपने गृह नगर और चुनाव क्षेत्र खटीमा में रहे जहां पार्टी मुख्यालय में उन्होंने ध्वजारोहण कर राज्य वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होने वहां उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि वह जन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य रहे हैं और करते रहेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहनी गई कुमाऊनी टोपी के लिए कहा कि वह प्रधानमंत्री के आभारी हैं जिन्होंने हमारे राज्य की टोपी पहनकर हमारी संस्कृति व परंपराओं को गौरवान्तित किया है।

उधर हरिद्वार से प्राप्त समाचार के अनुसार योग गुरू रामदेव ने गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण कर भारत के निरंतर विकास की कामना की और लोगों को शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी 13 जनपदों में आज मुख्यालयों पर ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाने की खबरें हैं। नई दिल्ली में आयोजित आज की गणतंत्र दिवस परेड में राज्य के बद्रीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की झांकियों को भी शामिल किया गया था जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

चर्चाओं का केंद्र बनी मोदी की कुंमाऊनी टोपी

क्या यह देवभूमि में 'चुनावी खेला होवे, का संकेत है?

नई दिल्ली (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राजपथ पर पहुंचे तो उन्होंने कुंमाऊनी टोपी पहन रखी थी। उनकी इस कुंमाऊनी टोपी पर जैसे ही लोगों की नजर पड़ी तो हर तरफ इसकी चर्चा शुरू हो गई और उनकी कुंमाऊनी टोपी सोशल मीडिया में भी छा गई।

जिसकी जितनी समझ उसने उनकी इस कुंमाऊनी टोपी को उसी तरह से समझा और उस पर कमेंट किया। कुछ लोगों ने इसे देव भूमि उत्तराखंड के प्रति लगाव से जोड़ा तो कुछ लोगों ने इसे 'चुनाव में खेला होवे, की नजर से देखा। लेकिन खास बात यह है कि प्रधानमंत्री की कोई भी ड्रेस और काम राजनीति से परे नहीं होता है। प्रधानमंत्री मोदी की खासियत यह भी रही है कि वह जहां भी जाते हैं उस क्षेत्र की वेशभूषा और भाषा का इस्तेमाल बखूबी उन्हें करना आता है। वह अच्छी तरह से जानते हैं कि लोगों का अपने से कनेक्ट करने का इससे बेहतर जरिया और कोई भी नहीं हो सकता है। अभी बीते दिनों दून के परेड ग्राउंड में जब उनकी जनसभा हुई थी तो उन्होंने अपना भाषण गढ़वाली भाषा में अभिवादन करने से शुरू किया था। किसी राष्ट्रीय पर्व पर प्रधानमंत्री मोदी का क्षेत्र या राज्य विशेष की पहचान वाली टोपी का इस्तेमाल भी बेवजह तो नहीं हो ◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

गुलाम नबी को पदम भूषण दिए जाने पर कांग्रेस की अंतर्कलह फिर सतह पर

नई दिल्ली (सं)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को पदम भूषण सम्मान दिए जाने पर कांग्रेस का अंतर्कलह एक बार फिर सतह पर आ गया है। पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने गुलाम नबी आजाद को पदम भूषण दिए जाने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा गया है कि मुबारक हो भाई जान लगता है कांग्रेस को अब आपकी जरूरत नहीं रह गई है। यह कोई पहला मर्तबा नहीं है जब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बीच मतभेदों की बात सामने आई हो, इससे पूर्व में अनेक ऐसे प्रकरण सामने आते रहे हैं। पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने जिस तरह से गुलाम नबी आजाद को पदम भूषण दिए जाने पर तंज कसा गया है उससे यह साफ है कि कांग्रेसी नेताओं के बीच किस हद तक अंतर्कलह की स्थिति बनी हुई है। उधर जयराम नरेश ने बुद्धदेव भट्टाचार्य का उदाहरण देते हुए कहा है कि उन्होंने पदम भूषण ◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

❑कपिल सिब्बल का तंज, मुबारक हो भाई जान, अब कांग्रेस को आपकी जरुरत नहीं रही

भारत में एक दिन में 30 हजार कोरोना केस बढ़ेए पिछले 24 घंटे में आए 2.85 लाख नए मामले

नई दिल्ली। भारत में पिछले २४ घंटे में कोरोना के २,८५,६१४ नए मामले सामने आए हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि मंगलवार की तुलना में करीब ३० हजार नए केस मिले। इससे पहले मंगलवार को कोरोना के २,५५,८७४ केस सामने आए थे। वहीं, पिछले २४ घंटे में ६६५ लोगों की मौत भी दर्ज की गई है।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले २४ घंटों में २,६६,०७३ रिकवरी दर्ज़ की गई, जबकि देश में अभी भी २२,२३,०१८ सक्रिय मामले मौजूद हैं। वहीं, पॉजिटिविटी रेट १६.१६ प्रतिशत

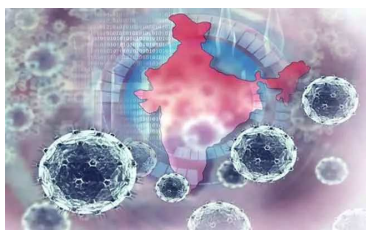

है। बताते चलें कि देश में अब तक १,६३,५८,४४,५३६ लोगों को वैक्सीन की डोज भी लगाई जा चुकी है। मालूम हो, मंगलवार को कोरोना संक्रमण से ६१४ लोगों की मौत थी।

मंगलवार को सामने आए आंकड़े में सोमवार के मुकाबले ५०,१६० कम केस दर्ज किए गए थे। यही नहीं, मंगलवार को देश में दैनिक संक्रमण दर में भी कमी दर्ज की गई थी। यह सोमवार के २०.७५ प्रतिशत से कम होकर १५.५२ प्रतिशत हो गया था।यह सोमवार के २०.७५ प्रतिशत से कम होकर १५.५२ प्रतिशत हो गया था। वहीं, दिल्ली की बात करें तो राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। ऐसे में सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि जल्द ही दिल्ली को पाबंदियों में ढील मिलेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

गण से गणतंत्र की मजबूती

हम सभी देशवासियों को इस बात का गर्व है कि हमारा गणतंत्र विश्व का सबसे पुराना गणतंत्र है। निश्चित तौर पर हमें इसका गर्व होना भी चाहिए लेकिन आज जब देश अपना 73वां गणतंत्र दिवस मना रहा है तो क्या हमें इस पर चिंतन-मंथन करने की जरूरत है कि इन 73 सालों के गणतंत्र के सफर में हम लोक हितों को विकसित करने और उनकी सुरक्षा करने में कितने आगे बढ़ सके और कितने सफल हो सके। गणतंत्र शब्द का निर्माण गण और तंत्र से मिलकर हुआ है । गणतंत्र में आज गण के हित कितने गौण हो चुके हैं और तंत्र उस पर किस तरह हावी हो चुका है या होता जा रहा है? यह एक चिंतनीय सवाल है अभी बीते साल देश में 3 कृषि कानूनों के खिलाफ जो किसान आंदोलन हमने देखा वह इसलिए भी ऐतिहासिक आंदोलन था क्योंकि आजादी के बाद चलने वाला यह सबसे लंबा आंदोलन था। सालों तक किसान सड़कों पर पड़े रहे उन्हें सत्ताधारियों ने कारों से रौंदा, एक साल से भी अधिक समय तक उनकी कोई बात नहीं सुनी गई और जब चुनावों पर इसका प्रभाव पड़ने का संकट मंडराने लगा तो तुरंत फुरत इसे सरकार द्वारा वापस ले लिया गया। जब गणतंत्र लागू हुआ था उस समय देश की आबादी 36 करोड़ थी और अब 73 साल बाद सवा सौ करोड़ से ऊपर है। बात भले ही हमारे नेताओं द्वारा आत्मनिर्भर भारत की की जा रही हो लेकिन कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को पांच-पांच किलो मुफ्त राशन देने की सरकार को जरूरत क्यों पड़ी? क्या 73 साल में हम इतना ही आत्मनिर्भर हो पाये है। यह सच है कि खाद्यान्न उत्पादन में देश आत्मनिर्भर हुआ लेकिन क्या गरीब और किसान संपन्न भी हुए? अगर नहीं तो फिर हम किस तंत्र पर गर्व करें। अभी एक और समाचार आया था कि कोरोना काल में गरीब व अमीरों के बीच की खाई और अधिक बढ़ गई है, इसमें कोई सन्देह भी नहीं है। बेरोजगारी और महंगाई की मार ने गरीब को और ज्यादा गरीब बना दिया और अमीरों को और अधिक अमीर। देश में भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है जिसका कोई निदान हमारा तंत्र 73 सालों में नहीं ढूंढ सका है। महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा आज भी एक बड़ी समस्या बना हुआ है। बाल कुपोषण, अशिक्षा की तरह अनेक समस्याएं आज भी हावी है। जिस अनेकता में एकता की खूबी के लिए इस देश के गणतंत्र को विश्व भर में सराहा जाता है और जो इसकी बुनियादी मजबूती है उस पर किस तरह जाति, धर्म और सांप्रदायिकता हावी हो रही है क्या इस सवाल पर चिंतन की आज जरूरत नहीं है? देश के लोगों को कमजोर करके अगर कोई तंत्र स्वयं को मजबूत करने का काम कर रहा है तो वह गणतंत्र को वास्तव में कमजोर ही कर रहा है। जब तक गण को मजबूत नहीं किया जाएगा तब तक कोई भी गणतंत्र मजबूत नहीं बने रह सकता है। हम अपने गणतंत्र पर यूं ही गर्व करते रहें इसके लिए यह जरूरी है कि तंत्र पर बैठे लोग गण के कल्याण की कामना और इच्छा शक्ति के साथ काम करें क्योंकि गण से ही गणतंत्र का अस्तित्व है।

स्मॉल वर्ल्ड जूनियर हाई स्कूल ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

रुड़की। 73वां गणतंत्र दिवस आज पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसी क्रम में आज स्मॉल वर्ल्ड जूनियर हाई स्कूल में भी कोविड-19 की गाइड लाइंस का पालन करते हुए अध्यापकों और स्टाफ द्वारा ही स्कूल में गणतंत्र दिवस मनाया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य

❑ऑनलाइन होकर प्रधानाचार्य ने दी बच्चों को गणतंत्र दिवस की बधाई

डॉ. प्रीति शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 की गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि स्कूल की टीचर्स और स्टॉफ द्वारा गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम को बच्चों के लिए ऑनलाइन देखने की व्यवस्था की गई। स्कूल प्रांगण में ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ स्कूल में गणतंत्र दिवस के ऑनलाइन कार्यक्रम को देखकर बच्चों में बहुत खुशी की लहर थी। प्रधानाचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने सभी बच्चों को ऑनलाइन 73 वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी तथा बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में जानकारी भी दी गयी। तत्पश्चात प्रधानाचार्य द्वारा सभी टीचर्स और स्टॉफ का धन्यवाद किया गया।

क्या यह देवभूमि में 'चुनावी खेला होवे ...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सकता है। इन दिनों उत्तराखंड सहित पांच राज्यों में चुनावी प्रक्रिया गतिमान है। भाजपा इस चुनाव में एक बार फिर सत्ता में आकर इतिहास रचना चाहती है। मोदी जानते हैं की टक्कर कड़ी होने वाली है। चुनावी खेला कैसा हो? उनकी कुंमाऊनी टोपी गणतंत्र दिवस समारोह में यही संदेश देती दिख रही थी। लेकिन खेला होवे तो सही, खेला कैसा होवे यह 10 मार्च को आने वाले नतीजे ही बताएंगे, बहरहाल मोदी अपने प्रयास में कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं।

राष्ट्राभिमान जागृत करने वाली कृति करके गणतंत्र दिवस को वास्तविक अर्थों में मनाएं!

सुरेश मुंजाल

आज हमारा देश अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। आज तक, पड़ोसी देशों से उत्पन्न खतरे, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और पिछले दो वर्षों से देश को त्रस्त कर रही कोरोना महामारी इन सभी समस्याओं का सभी भारतीयों को सामना करना पड़ रहा हैं। देश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया है। देश की सीमाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। भविष्य में भी देश ऐसे ही चलता रहा तो हमारा अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। इसके लिए हमें, इस देश के भावी नागरिक के रूप में, इन सब पर गम्भीरता से विचार करना होगा और कोई समाधान निकालना होगा, तभी कल का भारत आदर्श और समृद्ध होगा। गणतंत्र दिवस मनाते समय हमें इन सभी मुद्दों पर चिंतन करना चाहिए। इसका मुख्य कारण बहुसंख्यकों में राष्ट्राभिमान की कमी है। राष्ट्राभिमान और राष्ट्रभक्ति को जगाने वाली कृति करने से ही सच्चे अर्थों में एक आदर्श गणतंत्र के रूप में मनाए जाने की खुशी होगी और देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले असंख्य क्रांतिकारियों के ऋण से मुक्ति मिलने हेतु प्रयास होगा । स्वतंत्र भारत के प्रत्येक नागरिक को आज से नहीं परंतु अभी से यह निश्चय करना चाहिए कि मेरी प्रत्येक कृति से मुझमें और दूसरों में राष्ट्राभिमान जागृत हो। आज राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आइए हम इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर अपनी देशभक्ति को बढ़ाएं, यही ईश्वर के चरणों में प्रार्थना ।

राष्ट्रीय ध्वज की रक्षा के लिए आवश्यक कृत्य - राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक तिरंगे झंडे को राष्ट्रीय पर्व और अन्य अवसरों पर सम्मानपूर्वक फहराया जाता है। परंतु, इसके उपरांत हम सड़कों पर बिखरे कागज या प्लास्टिक के राष्ट्रीय झंडे भी देखते हैं, कुछ गटर में गिर जाते हैं, कुछ को पैरों के नीचे रौंद दिए जाता है। यह राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान है। राष्ट्रीय ध्वज को अधिक ऊंचाई पर फहराना चाहिए। जब राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है और उसे वंदन कर के राष्ट्रीय पर्व के इस दिन पर राष्ट्रगान गाया जाता है, तो हमें इस स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक होने पर गर्व होता है और जब हम अगले दिन सड़क पर ऐसे कागज के झंडे को पड़े हुए देखते हैं तो हमें कुछ भी नहीं लगता ? इस तरह की कृति को रोकने के लिए कागज और प्लास्टिक के झंडे का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रध्वज दुपहिया, चौपहिया, कपड़े तथा चेहरे पर नहीं लगाने चाहिए। वर्तमान में कुछ लोग राष्ट्रीय ध्वज को अपने चेहरे पर रंगते हैं, कुछ राष्ट्रीय ध्वज के रंगों वाले कपड़े पहनते हैं और कुछ लोग राष्ट्रध्वज के रंगों का केक काटते हैं। ऐसे करना अर्थात राष्ट्रीय प्रतीकों का अनादर करना । राष्ट्रीय उत्सव के दौरान इस तरह के अनुचित कार्य हो रहे हैं, तो इसे रोकने के लिए उचित कदम उठाना राष्ट्राभिमान है। इस प्रकार के अनुचित कार्य ना हो इसलिए जागरूकता निर्माण करना हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है ।

कुछ वेबसाइटों या अन्य देशों में हमारे देश का नक्शा गलत पाया जाता है। इसमें कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, भारत के कुछ हिस्सों को दूसरे देशों में दिखाया गया है। तो इसका अर्थ है कि वे भाग हमारे देश में नहीं हैं, इसलिए हम सभी को इस संबंध में सतर्क रहना चाहिए। यदि ऐसा पाया जाता है, तो इसे तुरंत संबंधित अधिकारी के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। इससे हमारे राष्ट्र के प्रति हमारा प्रेम भी बढ़ेगा।

राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम - राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्र की पहचान है, जिसे अधिकतर भारतीयों द्वारा 15 अगस्त और 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्व के दिनों में ही याद किया जाता है। अब केवल 26 जनवरी और 15 अगस्त के दिन ही राष्ट्राभिमान को जगाने के लिए झंडा फहराना, भाषण देना और देशभक्ति के गीत गाए जा रहे हैं, परंतु यहीं पर न रुक कर देश के विकास में हर दिन अपना योगदान देने की आवश्यकता है तथा इस पर विचार करने की भी आवश्यकता है।

गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का राष्ट्रीय पर्व है। राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्र का नक्शा (अर्थात मानबिन्दु) हमारे राष्ट्रीय प्रतीक हैं। उनका सम्मान करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। कई जगहों पर हम राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान अथवा हमारे राष्ट्र के मानचित्र का अपमान होते हुए देखते हैं। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना और उन्हें कहीं भी अपमानित होने से रोकना भी हमारी देशभक्ति ही है।

ध्वज संहिता के बारे में जागरूकता निर्माण होनी चाहिए - नागरिकों को ध्वज संहिता के बारे में पता होना चाहिए कि राष्ट्रचिन्हों, प्रतीकों का उपयोग कैसे किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग इस संहिता के अनुसार होना आवश्यक है। यदि ऐसा करने में गलती की जाती है तो यह दंडनीय अपराध है। इसके प्रति जागरूक होना जरूरी है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि संहिता को ध्यान में रखते हुए उचित कृति करें।

निम्नलिखित कार्य करने से निश्चित रूप से राष्ट्राभिमान को जगाने में सहायता होगी।-

1. ध्वज अपमान को रोकना
2. क्रांतिकारियों के चरित्रों का अध्ययन और उनके मूल्यों को व्यवहार में लाना
3. देशभक्ति गीतों का पाठ और समूहों में गायन
4. विद्यालय में संपूर्ण वंदे मातरम कहने के लिए प्रेरित करना
5. राष्ट्रगान का अपमान हो रहा है तो इसे रोकें
6. क्रांतिकारियों के जीवन पर आधारित सेमिनार तथा चर्चा सत्र का आयोजन
7. प्रतिज्ञा के अनुसार आचरण करना
8. क्रांतिकारियों और देशभक्तों के चित्रों की प्रदर्शनियों का आयोजन
9. स्वतंत्रता दिवस अथवा गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज के होने वाले अपमान को रोकना प्रत्येक भारतीय नागरिकों द्वारा राष्ट्राभिमान रख कर उपरोक्त कृति का आचरण कर के अन्यों को कृति के लिए प्रवृत्त करना, यही खरा गणतंत्र है । गणतंत्र दिवस के अवसर पर हम सभी ऐसा संकल्प लेंगे ।

क्रत्वा दा अस्तु श्रेष्ठोऽद्य त्वा वन्वन्सुरेक्णाः।
मर्त आनाश सुवृक्तिम्।।

(ऋग्वेद ६-१६-२६)

जो दानशील मनुष्य उचित मार्ग से धन को प्राप्त करता है। जो परमेश्वर की स्तुति करता है और दूसरों के कल्याण के उत्तम कर्म करता है। वह मुक्ति के मार्ग पर निरंतर बढ़ता रहता है।

The charitable person who gets the money through the right path. One who praises the Supreme Lord and does good deeds for the welfare of others. He keeps on moving on the path of salvation.
(Rig Veda 6-16-26)

भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित दस्तावेजः कोटिया

❑राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण में अध्यक्ष डीके कोटिया ने किया ध्वजारोहण

देहरादून (कासं)। देश के ७३वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण में आयोजित कार्यक्रम में देश के शहीदों के बलिदान को याद किया गया साथ ही संविधान में वर्णित व्यवस्थाओं को अक्षरशः पालन करने का भी संकल्प लिया गया। ध्वजारोहण के निर्धारित समय पर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अध्यक्ष डीके कोटिया ने ध्वज फहरायां इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित और अदभुत दस्तावेज है। सभी को देश हित में टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कर्तव्यों के साथ ही अधिकार भी दिए गए हैं। अपने अधिकारों को कर्तव्यों का अनुपालन करते हुए हमें देश की प्रगति में सहयोग करना है। इसके बिना संविधान की अवधारणा अधूरी रह जायेगी, इस बात का ध्यान रखा जाना जरूरी है। इस मौके पर डा आनंद कुमार गोयल, डा बागेश चंद्र काला, डा अल्पना सक्सेना, ललित मोहन जुयाल, देवेंद्र सिंह चौहान, दीपक खंडूरी, पूनम चंदेल। कार्यक्रम का संचालन अतुल जोशी ने किया।

पिथौरागढ़ में 25 दिन में 40 गुना बढ़े कोरोना के मामले

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। कोरोना की दोनों लहरों की अपेक्षा वर्तमान में संक्रमण की रफ्तार बेहद तेज है। २५ दिनों में ही कोरोना ४० गुना अधिक बढ़ गया है। आम नागरिकों से लेकर छात्र–छात्राएं, स्वास्थ्य, बैंक, पुलिस कर्मी तक कोरोना की चपेट में आए हैं। सबसे अधिक कोरोना का संक्रमण अर्द्धसैनिक बलों में देखने को मिला है। सैंपल लेना वाला कर्मचारी भी संक्रमित मिला है। लगातार बढ़ते संक्रमण के बावजूद लोग अभी भी कोरोना को हल्के में लेते हुए लापरवाही बरत रहे हैं। जनपद में कोरोना एक बार फिर तेजी दिखाने लगा है। इससे स्वास्थ्य विभाग के साथ ही प्रशासन की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। कुछ ही समय में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। ऐसे में कोरोना यूं ही बढ़ता रहा तो दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं। जिले में एक जनवरी तक कोरोना के १६ मामले एक्टिव थे, जो वर्तमान में बढ़कर ७६६ हो गए हैं। आए दिन कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। वर्तमान में कोरोना तेजी से लोगों में अपना संक्रमण फैला रहा है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पूर्व में आई दोनों लहरों में शुरूआती समय में ऐसा देखने को नहीं मिला। स्वास्थ्य कर्मी पंकज अवस्थी के मुताबिक बीते रोज भी ३० लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। संक्रमितों में बैंक कर्मचारी सहित स्वास्थ्य कर्मी शामिल हैं। सरकारी कार्यालयों के संक्रमित मिलने के बाद अन्य लोगों में भी संक्रमण का भय बना हुआ है।

होटल व होमस्टे कर्मी सीखेंगे प्राथमिक उपचार की बारीकियां

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए मुनस्यारी के पर्यटन कारोबारियों ने अनूठी पहल शुरू की है। कारोबारी होटल, होमस्टे कर्मियों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिलाएंगे, ताकि जरूरत के समय पर्यटकों को तुरंत राहत पहुंचाई जा सके। मंगलवार को मुनस्यारी के सरमोली में पर्यटक कारोबारियों ने बैठक की, जिसमें होटल, होमस्टे संचालक, गाइड, ट्रेकिंग कंपनी के कर्मी शामिल रहे। बैठक में सभी होटल व होम स्टे कर्मियों के साथ ही गाइडों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। होटल कारोबारियों के मुताबिक ये कर्मी किसी दुर्घटना के समय पर्यटकों को तुरंत राहत पहुंचा सकते हैं। बैठक की अध्यक्षता कर रहीं मल्लिका बिर्थी ने कहा अगले माह इन कर्मियों का प्रशिक्षण शुरू होगा। कहा पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बैठक में थियो फिलिप, बृजेश सिंह, बीना, बसंती, कमला पांडे, चंद्रा, राधा सहित आदि रहे।

रक्तदान कर प्रसूति महिला की जान बचाई

बागेश्वर (आरएनएस)। समाज में युवाओं में समाजसेवा का जज्बा देखने को मिलता है। जिला रक्तकोष में रक्त की कमी लंबे समय से बनी हुई है जिस कारण सोमवार को एक महिला को ए पाजिटिव रक्त की आवश्यकता हुई जिसकी जानकारी रेडक्रास के प्रदेश प्रतिनिधि व पूर्व जिला चेयरमैन को हुई तो उन्होंने युवाओं से संपर्क किया तो सचिन गुरूरानी व नरेद्र सिंह रौतेला ने रक्तकोष जाकर दो यूनिट रक्तदान किया। जनपद के एकमात्र रक्तकोष में आठ माह से किसी प्रकार के रक्तदान शिविर काआयोजन नहीं हो पाया है जिससे रक्त की कमी बनी हुई है। रक्त के लिए मरीजों के परिजनों को भटकना पड़ रहा है। इसी प्रकार सोमवार को जिला चिकित्सालय में भर्ती एक प्रसूति महिला को ए पाजिटिव रक्त की कमी हो गई। जिस पर उसे रक्तदाता की आवश्यकता हुई तथा उन्होंने जनपद में पहला रक्तदान शिविरआयोजित कराने वाले रेडक्रास के जनपद में संस्थापक सदस्य अशोक लोहनी से संपर्क किया। जिस पर उन्होंने कई लोगों से संपर्क करके एक यूनिट रक्त की आवश्यकता जताई। जिस पर कुछ अन्य समाजसेवी भी इसके लिए सक्रिय हुए तथा गौरव दास के प्रयास से युवा सचिन गुरूरानी व नरेंद्र सिंह रौतेला ने तत्काल रक्तकोष पहुंचकर रक्तदान किया तथा महिला की जान बचाने में भूमिका निभाई।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने विकल्प पत्र मांगे जाने पर जताई नाराजगी

पौड़ी (आरएनएस)। गढ़वाल सेवानिवृत्त कर्मचारी समिति ने राज्य सरकार योजना में सम्मिलित होने या ना होने के संबंध में विकल्प पत्र मांगने पर कड़ी नाराजगी जताई है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि जब कर्मचारियों को इस योजना में शामिल किया गया था उस समय विकल्प पत्र क्यों नहीं मांगे गए। समिति ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के संयुक्त सचिव को ज्ञापन भेजकर कहा है कि कोई भी सेवानिवृत्त कर्मचारी विकल्प पत्र भरकर नहीं देगा। मंगलवार को समिति के पदाधिकारियों ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के संयुक्त सचिव को ज्ञापन भेजकर कहा कि एक जनवरी २०२१ को राज्य सरकार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए अनिवार्य रूप से अंशदान की कटौती की गई थी। कहा कि सरकार ने योजना शुरू करते समय सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनरों से विकल्प पत्र नहीं मांगे, लेकिन अब योजना में सम्मिलित होने या ना होने के लिए क्यों विकल्प पत्र मांगे गए। कहा कि कोर्ट ने राज्य के सभी पेंशनरों से मासिक अंशदान कटौती तल्काल प्रभाव से स्थगित करने के निर्देश दिए थे, अब राज्य सरकार द्वारा पेंशनरों से विकल्प मांगे जाने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। कहा कि कोई भी पेंशनर व सेवानिवृत्त कर्मचारी विकल्प पत्र नहीं देगा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह राणा, सचिव सुरेश चंद्र बड़थ्वाल आदि शामिल थे।

चुनावी समर में अपने भी हुए पराये

संवाददाता

देहरादून। क्या चीज है चुनाव! इसमें अपने भी पराये हो जाते हैं और विरोध करना शुरू कर देते है। उनको उस वक्त मात्र टिकट से मतलब होता है और किसी बात से उनको कोई फर्क नहीं पडता है चाहे उसके लिए रिश्ते ही तार-तार क्यों ना हो जाये।

कहते हैं कि राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं होता है। मौका पडते ही भाई भाई का दुश्मन हो जाता है। यहां यह भी देखने को मिलता है कि प्रत्येक दल के नेता सुख दुख में एक दूसरे के साथ खडे दिखायी देते है उस समय वह राजनैतिक दुश्मनी को भूला देते है। तब बहुत अच्छा लगता है कि दुख में सब एक साथ खडे हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलु चुनावी समर में दिखायी देता है। चुनाव से पहले सभी दलों के नेता आपस में भाईचारे के साथ रहते हैं। किसी को किसी से कोई गिला शिकवा नहीं होता है और वह रोज गले मिलकर दिन की शुरूआत करते हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव का समय पास आता है तो वहीं लोग दुश्मन दिखायी देते है जिनसे वह रोज गले मिलते थे। अब देखने वाली बात है कि चुनाव के दौरान ऐसा क्या हो जाता है कि लोग आपसदारी तक को भुला देते हैं। यही कुछ वर्तमान में राजधानी में देखने को मिल रहा है। राजपुर, कैण्ट, धर्मपुर, डोईवाला, सहसपुर आदी क्षेत्रों में टिकटों का बंटवारा होते ही बागी सुर सामने आने लगे इनमें से कुछ ऐसे भी चेहरे दिखायी दे रहे हैं कि जोकि पूर्व में पार्टी से टिकट पाने वाले के काफी करीबी रहे थे और दुख सुख में आपस में खडे दिखायी देते थे लेकिन अब वह उसको अपना सबसे दुश्मन दिखायी देने लगा है। यही नहीं प्रत्याशी के खिलाफ खुलकर विरोध शुरू कर दिया। यह अब सोचने की बात है कि क्या चुनाव इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि इसमें अपने भी पराये हो जाते हैं। कैण्ट क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी दिवंगत कद्दावर नेता हरबंस कपूर की धर्मपत्नि सविता कपूर के खिलाफ कई विरोधी स्वर सामने आने लगे इनमें से कुछ ऐसे भी होगे जो उनके पैर छूते हों लेकिन टिकट की लडाई वह सबकुछ भूल गये। यह होता है चुनाव। अब देखने वाली बात है कि आगे क्या होता है यह अदावत आगे भी दिखायी देगी या फिर चुनाव तक ही यह सीमित होगी।

27 को सीएम धामी करेंगे खटीमा विस क्षेत्र से नामांकन

रुद्रपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी २७ जनवरी को ७० विधानसभा क्षेत्र खटीमा से नामांकन करेंगे। नामांकन समय सुबह ११ बजे से एक बजे तक रखा गया है। धामी खटीमा विधानसभा से तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं और जीत की हैट्रिक लगाने की उनके सामने चुनौती होगी। मंडी चेयरमैन नंदन सिंह खड़ायत ने बताया कि मुख्यमंत्री २६ जनवरी को एक बजे खटीमा पहुंच जाएंगे। तीनों दिन उनके जनसंपर्क के कार्यक्रम हैं। मंडी चेयरमैन खड़ायत ने बताया कि २७ जनवरी को होने वाला नामांकन कोरोना की गाइड लाइन का पालन करते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देश के तहत किया जाएगा। सीएम २६ जनवरी को एक बजे पहुंच जाएंगे, २८ को वापसी साढ़े ग्यारह बजे होगी। इस बीच मुख्यमंत्री के पूरे विधानसभा में जगह–जगह जनसंपर्क के कार्यक्रम हैं। फोन पर हुई वार्ता में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा इस बार मुझ पर पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी है, इसलिए मुझे पूरे प्रदेश में घूमना होगा। २०२२ का चुनाव मुझे खटीमा की जनता लड़ाएगी और जिताएगी भी।

जोशी ने शासकीय आवास में झंडारोहण किया

संवाददाता

देहरादून। ७३वें गणतंत्र दिवस के अवसर प्रदेश के सैनिक कल्याण, औद्योगिक विकास, एमएसएमई एवं खादी ग्रामोद्योग मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास में झण्डारोहण किया।

इस अवसर पर मंत्री ने देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को गणंतत्र दिवस की शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर जनसंपर्क अधिकारी मनोज जोशी, समीक्षा अधिकारी देव सिंह रावत, पार्षद सत्येन्द्र नाथ, पार्षद भूपेन्द्र कठैत, विनोद जोशी, डा० ओपी कुलश्रेष्ठ, अमन, जीवन लामा, प्रदीप कुमार, मुकेश, शैलेन्द्र, विमल घिल्डियाल आदि उपस्थित रहे।

गोर्खाली सुधार सभा में गणतंत्रा दिवस पर किया गया ध्वजारोहण

संवाददाता

देहरादून। गोर्खाली सुधार सभा परिसर में कोविड काल के सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए ध्वजारोहण किया गया।

आज यहां गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर गोर्खाली सुधार सभा परिसर में ध्वजारोहण किया गया। कोविडकाल में सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए सामाजिक दूरी एवं सीमित संख्या में उपस्थित होकर आयोजन किया गया।

गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा ने सभीको गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन क्षेत्री, उपाध्यक्ष सुश्री पूजा सुब्बा, सचिव मधुसूदन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रभा शाह, खेलमंत्री प्रीतम सिंह गुरूंग , श्रीमती मोनिका थापा श्रीमती अंजू , सुश्री विमला थापा , श्रीमती अरूणा क्षेत्री ,शाखाध्यक्ष शंकर थापा , शमशेर थापा शेरजंग राना उपस्थित रहे।

कुशन कवर्स खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, घर लगेगा खूबसूरत

घर की सजावट के लिए लोग कई तरह की चीजें खरीदना पसंद करते हैं, उन्हीं में से एक है कुशन कवर। जी हां, सोफे या फिर कुर्सी की शोभा बढ़ाने में कुशन कवर्स काफी मदद करते हैं। हालांकि, ऐसा तभी संभव है, जब आप सोच-समझकर अपने घर के लिए कुशन कवर्स का चयन करें। आइए जानते हैं कि कुशन कवर्स खरीदते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप अपने घर के लिए परफेक्ट कुशन कवर्स खरीद सकें।

कुशन कवर्स की खरीदारी करते समय उनके फैब्रिक पर ध्यान देना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका फैब्रिक उनकी शेल्फ लाइफ ही नहीं बल्कि लुक पर भी प्रभाव डालता है। अगर आप कुशन कवर्स के जरिए अपने लिविंग रूम को खास अवसरों पर अलग लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में लिनन, जेकक्वार्ड और वेलवेट का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप एक लॉन्ग लास्टिंग कुशन कवर्स की तलाश में हैं तो ऐसे में पॉलिएस्टर और कॉटन विकल्प बेहतर होगा।

जब भी आप कुशन कवर्स खरीदने जाए तो उसके माप और आकार पर खास ध्यान दें। यूं तो मार्केट में स्टैन्डर्ड चकोर आकार के कुशन मिलते हैं, जिनके कवर्स भी आसानी से मौजूद हैं, लेकिन अगर अपने अपने घर के लिए कुशन को कस्टमाइज करवाया है तो यह जरूरी है कि आप उसके माप और आकार पर अतिरिक्त ध्यान दें। हालांकि, आपको कुशन के अनुसार कवर्स न मिलें तो आप अलग से फैब्रिक खरीदकर कुशन कवर्स को सिलवाएं।

कुशन कवर्स के रंग की बात करें तो इनका रंग आदर्श रूप से बाकी सामान के हिसाब से होना चाहिए। आप ऐसे कुशन कवर्स चुन सकते हैं, जिनका रंग कमरे की सजावट से मिलता हो या फिर जिनका रंग सामानों के रंग के बिल्कुल विपरीत हो। बेहतर होगा कि आपके कुशन कवर्स का रंग ऐसा हो जो आपकी सोफे के रंग से मेल खाता हो। इस तरह के कुशन कवर्स देखने में बेहद ही खूबसूरत लगते हैं।

बाजार में मौजूद कुशन कवर्स में प्रिंट्स और डिजाइन्स की भी कोई कमी नहीं है, इसलिए आपको अपने कुशन के प्रिंट्स भी समझदारी से चुनने चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आपके कमरे की दीवारें प्लेन हैं तो आप ग्राफिक प्रिंटेड या बोल्ड पैटर्न कवर्स को चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप कमरे को एलीगेंट लुक देना चाहते हैं या उसमें एक ताजगी शामिल करना चाहते हैं तो फ्लोरल प्रिंटेड कवर्स को चुनना बेहतरीन है।

कान की बदबू को दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

कान से आने वाली बदबू आपको लोगों के सामने शर्मिंदा कर सकती है। आमतौर पर यह समस्या कान की ठीक से सफाई न करने, फुंसी निकलने, इंफेक्शन होने या फिर कान में मैल जमने आदि के कारण उत्पन्न होती है। खैर, वजह चाहें जो भी हो, आज हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर कान से आने वाली बदबू को जल्दी दूर किया जा सकता है।

कान की बदबू को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए दो चम्मच पानी में थोड़ा बेकिंग सोडा मिलाकर पतला घोल बनाएं। अब इस घोल की कुछ बूंदे अपने कान में डालकर एक से दो मिनट के लिए रूके। इसके बाद कान को जमीन की तरफ झुकाएं ताकि बेकिंग सोडा का घोल निकल जाए। इससे आपके कान से बदबू दूर हो जाएगी और मैल भी साफ हो जाएगी।

अगर मैल जमा होने के कारण आपके कान से बदबू आ रही है तो आप उसे सेब के सिरके से दूर कर सकते हैं। दरअसल, सेब के सिरके में एसिडिक गुण होते हैं, जो कान में मौजूद को फुलाकर बाहर कर देता है। समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक कटोरी दो चम्मच डिस्टिल्ड वाटर और आधी चम्मच सेब का सिरका अच्छे से मिलाएं। अब इसे कान में डालकर दो मिनट रूकें, फिर ईयरबड से कान को साफ करें।

लहसुन में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो इंफेक्शन से राहत दिलाकर कान की बदबू को दूर कर सकते हैं। इसके लिए पहले नारियल के तेल में लहसुन की कुछ कलियों को डालकर गर्म करें, फिर इसे ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए तो इयरबड की मदद से कान में यह तेल लगाएं। ऐसा लगातार कुछ दिनों तक करते रहने से कान से आने वाली बदबू छूमंतर हो जाएगी।

कान से बदबू दूर करने के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल सबसे प्रभावी घरेलू उपचारों में से एक है। लाभ के लिए पहले जैतून के तेल को हल्का गर्म कर लें। इसके बाद इसे बदबू से प्रभावित कान में इयरबड की मदद से धीरे-धीरे लगाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दी में गाजर खाने से होते हैं चौकाने वाले फायदे

गाजर खाना बहुत कम लोगों को पसंद होता है लेकिन ठंड के दिनों में गाजर बहुत बेहतरीन होती है। ऐसे में इसे खाने से कई चौकाने वाले फायदे होते हैं और आज हम आपको उन्ही फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं गाजर के फायदे।

गाजर के फायदे-

माइग्रेन के दर्द से राहत- माइग्रेन से राहत दिलाने में गाजर लाभकारी है। इसके लिए इसके पत्तों को घी से चुपड़कर गर्म करके उनका रस निकालकर 2-3 बूंद नाक और कान में डालने से दर्द से राहत मिलती है।

आँखों के लिए- गाजर आँखों को स्वस्थ रखने में मदद करती है। जी हाँ, इसके लिए आप 250 ग्राम सौंफ को साफ करके कांच के पात्र में रखें, उसके बाद इसमें बादामी रंग की गाजरों के रस दें। वहीं सूख जाने के बाद 5 ग्राम रोज रात में दूध के साथ सेवन करने से आँखों की रोशनी बढ़ती है।

मुंह के रोगों में फायदेमंद - गाजर का औषधीय गुण मुँह के रोगों में फायदेमंद होता है। ऐसे में गाजर के ताजे पत्तों को चबाने से मुँह का अल्सर, मुख में दुर्गंध, दांत के जड़ से ब्लीडिंग होने तथा पूयस्राव (पस डिस्चार्ज) में लाभ मिलता है।

खांसी - खांसी से परेशान है तो गाजर से इसका इलाज किया जा सकता है। इसके लिए गाजर के 40-60 मिली रस में चीनी तथा काली मिर्च के चूर्ण को डालकर सेवन करने से कफ निकलने लगता है जिससे कफ संबंधी समस्या से राहत मिलती है।

एनीमिया - खून में लौह की कमी होने के कारण लाल रक्तकण नहीं बन पाते हैं, जो एनीमिया होने का कारण होता है। ऐसे में गाजर को कद्दूकस कर दूध में उबालकर खीर की तरह खाने से हृदय को ताकत मिलती है, खून की कमी मिटती है।(आरएनएस)

डंगरी के साथ पहने ऐसे फुटवियर्स, लगेंगी बहुत खूबसूरत

डंगरी लड़कियों का पसंदीदा आउटफिट है, जिसके साथ आमतौर पर वे व्हाइट स्नीकर्स ही पहनती हैं। बेशक इससे उन्हें खूबसूरत चंकी लुक मिलता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार सिर्फ एक ही तरह के फुटवियर पहने जाएं। अगर आप चाहें तो व्हाइट स्नीकर्स के अलावा अन्य कई तरह के फुटवियर्स पहनकर भी अपने डंगरी आउटफिट के लुक को खूबसूरत बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि डंगरी के साथ कौन-कौन से फुटवियर्स पहने जा सकते हैं।

काले रंग की डंगरी के साथ पहनें ऐसे फुटवियर्स

काले रंग की डंगरी के साथ फुटवियर को पहनने की बात आती है तो आप अवसर के हिसाब से इसे चुनें। उदाहरण के लिए, अगर आपने शाम के समय काले रंग की डंगरी को पहनने का मन बनाया है तो इसके साथ काले रंग की सैंडल्स को पहनें। वहीं, अगर आप इस मोनोक्रोमेटिक लुक से हटकर पहनना चाहती हैं तो डंगरी के साथ ब्लॉक हील्स पहनें क्योंकि ये आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बना सकती हैं।

नीले रंग की डंगरी के साथ इस तरह के फुटवियर्स पहनें

नीले रंग की डेनिम डंगरी अधिकतर लड़कियों की पहली पसंद है क्योंकि इसे पहनकर काफी स्टाइलिश लुक मिलता है। अगर आपके पास भी नीले रंग की डेनिम डंगरी है तो केजुअल्स के तौर पर आप इसके साथ कैनवास पंप शूज या फिर लेदर ट्रेनर शूज को पहन सकती हैं। वहीं, अगर आप एक प्रोफेशनल या हाई फैशन लुक चाहती हैं तो इसके साथ हील्स, फ्लैट सैंडल्स या ब्लॉक सैंडल्स भी पहने जा सकते हैं।

सफेद रंग की डंगरी के साथ पहनें ये फुटवियर्स

सफेद रंग की डंगरी से क्लासी लुक मिलता है, इसलिए इसे केजुअल्स से लेकर पार्टीज जैसे कई अवसरों में पहना जा सकता है। वहीं, इसके साथ पहने जाने वाले फुटवियर्स की बात करें तो आप थोड़ी एक्सपेरिमेंटल हो सकती हैं। मसलन, अगर आप किसी पार्टी में जा रही हैं तो आप डंगरी के साथ सफेद रंग की सैंडल्स को पहन सकती हैं। वहीं, व्हाइट डांगरी लुक में रंग शामिल करने के लिए आप ब्लॉक्ड कलर हील्स को पहन सकती हैं।

खाकी रंग की डंगरी के साथ जचेंगे ये फुटवियर्स

खाकी डंगरी भी लड़कियों के लुक को स्टाइलिश बना सकती हैं और आप व्हाइट स्नीकर्स को पूरी तरह से स्किप कर सकती हैं। इसकी बजाय आप पार्टी लुक में टैन हील्स सैंडल्स को पहन सकती हैं। वहीं, केजुअल लुक में टैन लोफर्स या म्यूल्स को भी पहना जा सकता है। आप चाहें तो खाकी रंग की डांगरी में पहने जाने वाली टी-शर्ट से मैचिंग फुटवियर्स के विकल्प भी चुन सकती हैं।

शब्द सामर्थ्य -101

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

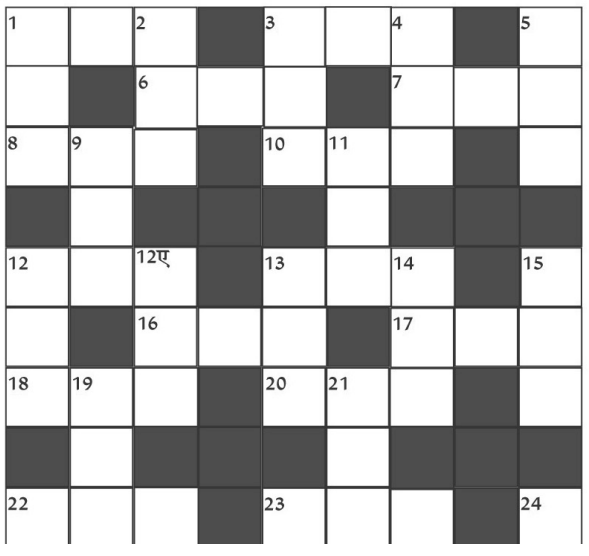

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

अर्जुन की फिल्म लेडी किलर में हुई भूमि पेडनेकर की एंट्री

अर्जुन कपूर आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आएंगे। वह फिल्म द लेडी किलर को लेकर भी सुर्खियों में हैं। पिछले कुछ समय से उनकी इस फिल्म के लिए अभिनेत्री की तलाश चल रही थी, जो अब आखिरकार खत्म हो गई है। फिल्म में भूमि पेडनेकर को साइन कर दिया गया है। खुद भूमि ने फिल्म से जुड़कर खुशी जाहिर की है। वह फिल्म का हिस्सा बन बहुत खुश हैं।

द लेडी किलर में भूमि की जोड़ी अर्जुन के साथ बनी है। अर्जुन पहले ही अपनी

इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर कर चुके थे, लेकिन अब तक फिल्म की लीड एक्ट्रेस के नाम का खुलासा नहीं हुआ था। यह पहला मौका होगा, जब अर्जुन-भूमि की जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसे अजय बहल निर्देशित करने वाले हैं। फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और शैलेष आर सिंह मिलकर बना रहे हैं।

भूमि ने कहा, नई और चुनौतीपूर्ण चीजें मुझे हमेशा से उत्साहित करती रही हैं। द लेडी किलर ने शुरुआत से ही मुझे अपनी ओर आकर्षित किया है। मैं इसे लेकर नर्वस होने के साथ-साथ उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, बतौर कलाकार यह किरदार मुझे कंफर्ट जोन से बाहर निकल और बहुत कुछ करने का मौका देता है। मैं अर्जुन कपूर, निर्देशक अजय बहल, निर्माता भूषण सर, और शैलेश सर के साथ काम शुरू करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

निर्माता भूषण कुमार ने कहा, हम भूमि को द लेडी किलर की टीम में शामिल कर बेहद उत्साहित हैं। अर्जुन कपूर के स्टाइल और पर्सनैलिटी के साथ भूमि की बहुमुखी प्रतिभा फिल्म में चार चांद लगाएगी। फिल्म में नई जोड़ी की केमिस्ट्री बेशक देखने लायक होगी। निर्देशक अजय बहल ने कहा, यह फिल्म भावनाओं के उतार-चढ़ाव से भरपूर है। इसके लिए हमें एक ऐसी एक्ट्रेस की जरूरत थी, जो इस किरदार के लिए फिट हो, इसलिए भूमि को चुना गया।

भूमि फिल्म बधाई दो में अभिनेता राजकुमार राव के साथ दिखाई देंगी। वह अक्षय कुमार के साथ फिल्म रक्षाबंधन में नजर आएंगी। इससे पहले दोनों की जोड़ी सुपरहिट फिल्म टॉयलेट एक प्रेमकथा में देखने को मिली थी। रक्षाबंधन की शूटिंग काफी हद तक पूरी हो चुकी है। फिल्म गोविंदा नाम मेरा भूमि के खाते से जुड़ी है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेता विक्की कौशल के साथ बनी है। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म भीड़ में भी काम कर रही हैं।

मर्दानी-2 के बाद वेब सीरीज ह्यूमन में नज़र आएँगे विशाल जेठवा

रानी मुखर्जी की मूवी मर्दानी 2 में एक सनकी और सिरफिरे विलेन का किरदार निभाकर चर्चा में आये युवा कलाकार विशाल जेठवा अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज ह्यूमन में एक खास रोल में नज़र आने वाले है। दवाओं के मानवीय परीक्षण में होने वाले काले धंधे पर आधारित वेब सीरीज का निर्माण-निर्देशन विपुल अमृतलाल शाह के द्वारा किया जा रहा है, जबकि मोजेज सिंह के साथ मिलकर उन्होंने निर्देशन भी कर दिया है। इन दोनों के निर्देशकों के साथ काम करने का अनुभव विशाल ने शेयर कर दिया है।

विशाल ने कहा है कि, मर्दानी 2 में गोपी सर के साथ काम करने के उपरांत मुझे लगा था कि कोई और अच्छा निर्देशक नहीं है, लेकिन जब मैंने विपुल सर के साथ कार्य किया तो मुझे एहसास हुआ कि उनके साथ काम करना कितना सरल होता है और ना केवल विपुल बल्कि मोजेज सर के साथ भी हुआ। मुझे इन दोनों निर्देशकों का कॉम्बिनेशन बहुत ही भाया है, क्योंकि जहां प्रैक्टिकेलिटी की आवश्यकता है, वहां विपुल सर हैं और जहां इमोशंस की आवश्यकता है, वहां मोजेज सर हैं। इसलिए मुझे बाइफर्केशन पसंद आया, क्योंकि ह्यूमन के शुरुआती 2 से तीन एपिसोड विपुल सर ने निर्देशित कर चुके है, और मोजेजे सर ने अन्य 5 एपिसोड्स का निर्देशन भी कर चुके है। इसलिए, मुझे यह कॉम्बिनेशन बहुत ही प्यारा लगा, जहां मुझे एक ही शो में ऐसे बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का अवसर हासिल हुआ।

ह्यूमन में शेफाली शाह और कीर्ति कुल्हरी मुख्य किरदारों में दिखाई देने वाली है। दोनों कलाकार डॉक्टर्स का रोल प्ले कर रहे है। विशाल युवा माइग्रेंट वर्कर मंगू के रोल में हैं और इस कहानी की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ह्यूमन इंडिया में ड्रग्स ट्रायल की कहानी के उन पहलुओं को दर्शाती है, जिसमें किसी के लालच के कारण से मासूम जिंदगियां शिकार बन जाती हैं। वहीं, सीरीज इससे जुड़े कुछ नियमों पर भी टिप्पणी भी करना शुरू कर देते है।

फिल्म बैजू बावरा की शूटिंग जल्द शुरू करेंगे रणवीर-आलिया?

काफी समय से फिल्म बैजू बावरा का रीमेक सुर्खियों में हैं। आए दिन इससे जुड़े नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब खबर है कि रणवीर सिंह और आलिया भट्ट ने फिल्म की शूटिंग के लिए कमर कस ली है। फिल्म के निर्देशक संजय लीला भंसाली ने एक खास प्लान बनाया है। उन्होंने फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के पोस्ट प्रोडक्शन के साथ-साथ बैजू बावरा का प्री-प्रोडक्शन भी शुरू कर दिया है।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि रणवीर और आलिया फिलहाल फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग कर रहे हैं। दोनों 2022 के मध्य तक बैजू बावरा की शूटिंग शुरू करेंगे। रणवीर और आलिया के अलावा एक और लीडिंग एक्ट्रेस भी फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म को अगले सात से आठ महीने में शूट किया जाएगा। फिल्म के लिए भव्य सेट तैयार किया जा रहा है, जिसकी डिजाइनिंग का काम शुरू हो गया है। बैजू बावरा के जरिए रणवीर चौथी बार भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। सबसे पहले दोनों ने फिल्म गोलियों की रासलीला रामलीला में साथ काम किया था। इसके बाद वे बाजीराव मस्तानी के लिए साथ आए और फिर दोनों ने पद्मावत जैसी सुपरहिट फिल्म में साथ काम किया। दूसरी तरफ आलिया को फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के जरिए पहली बार भंसाली का साथ मिला। अब दूसरी बार फिल्म बैजू बावरा से वह उनके निर्देशन में काम करने जा रही हैं।

रणवीर-आलिया पहले भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों पहली बार 2019 में गली बॉय के लिए साथ आए थे, जो हिट रही थी। फिर उनकी जोड़ी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए बनी और अब वे तीसरी बार साथ आ रहे हैं।

वेंकट प्रभु की तमिल फिल्म मानाडू का बनेगा हिन्दी रीमेक

दक्षिण भारतीय फिल्मों का जलवा हमेशा से बॉलीवुड में रहा है। साउथ की कई रीमेक फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। अब इस कड़ी में एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। अब बहुत जल्द निर्देशक वेंकट प्रभु की तमिल फिल्म मानाडू का हिन्दी रीमेक बनेगा। मानाडू पिछले साल नवंबर में आई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर भी हिट साबित हुई थी। यही वजह है कि इसकी हिन्दी रीमेक पर काम शुरू होने वाला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, तमिल फिल्म मानाडू की हिन्दी रीमेक बहुत जल्द दर्शकों के बीच आएगी। खबरों की मानें तो इस फिल्म को हिन्दी के अलावा तेलुगु में भी रीमेक किया जाएगा। प्रोड्यूसर सुरेश बाबू ने फिल्म को हिन्दी और तेलुगु सहित अन्य भारतीय भाषाओं में बनाने के अधिकार हासिल कर लिए हैं। कहा जा रहा है कि सुरेश प्रोडक्शंस ने मानाडू की रीमेक के अधिकार 12 करोड़ रुपये में खरीदे हैं।

एक सूत्र ने बताया, फिल्म को इंडस्ट्री के शीर्ष कलाकारों के साथ कई भाषाओं में बनाया जाएगा। हिन्दी भाषी दर्शकों के बीच फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए सुरेश बॉलीवुड के एक प्रमुख स्टूडियो के साथ गठजोड़ करने की योजना बना रहे हैं। ऑरिजनल फिल्म में सिंबू (सिलंबरसन) द्वारा निभाई गई मुख्य भूमिका को अदा करने लिए एक युवा स्टार को लेने का विचार है। सिंबू ने फिल्म में अब्दुल खालिक का किरदार निभाया था।

फिल्म के तेलुगु वर्जन में भी बड़े कलाकारों को कास्ट किया जाएगा। प्रोड्यूसर फिलहाल दर्शकों को ध्यान में रखकर अपनी स्क्रिप्ट में बदलाव कर रहे हैं। जब फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी तो रीमेक के लिए निर्देशकों की कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू होगी। मेकर्स को भरोसा है कि फिल्म को हिन्दी और तेलुगु दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। अब देखना है कि बॉलीवुड का कौन अभिनेता फिल्म के हिन्दी संस्करण को लीड करेगा।

मानाडू एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जो पिछले साल 25 नवंबर को रिलीज हुई थी। वी हाउस प्रोडक्शंस ने इस फिल्म का निर्माण किया है। एसजे सूर्या और कल्याणी प्रियदर्शन जैसे कलाकारों ने इस फिल्म की शोभा बढ़ाई है। फिल्म मानाडू की कहानी अब्दुल खालीक (सिलंबरसन टीआर) की है, जो दुबई से कोयंबटूर में अपने दोस्तों की शादी में मदद करने के लिए आता है और वह एक टाइम-लूप में फंस जाता है।

फिल्म द घोस्ट से बाहर हुई जैकलीन

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस जब से सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसी हैं, वह लगातार चर्चा में हैं। सुनने में आ रहा है कि इस विवाद के कारण अब साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी की अगली फिल्म द घोस्ट से उनका पत्ता कट गया है। खबरे हैं कि निर्माता-निर्देशक फिल्म में जैकलीन को कास्ट कर किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहते, इसलिए उन्हें इससे बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

नागार्जुन की फिल्म द घोस्ट में पहले अभिनेत्री काजल अग्रवाल को साइन किया गया था, लेकिन प्रेग्नेंसी की वजह से उन्होंने फिल्म करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जैकलीन को इस फिल्म की हीरोइन बताया जा रहा था, लेकिन मीडिया रिपोर्टों की मानें तो निर्माता-निर्देशक कोई चांस नहीं लेना चाहते और इसी वजह से जैकलीन फिल्म से बाहर हो गई हैं। अब जब जैकलीन फिल्म से बाहर हो गई हैं तो दूसरी हीरोइन की तलाश शुरू हो गई है।

नागार्जुन की एक्शन थ्रिलर फिल्म द घोस्ट का निर्देशन प्रवीन सतारू कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री गुल पनाग भी एक खास भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग में देरी हो रही है इसके दो ही कारण है। पहला हीरोइन का फाइनल ना होना और दूसरा कोरोना वायरस। फिल्म बाहरी लोकेशन पर शूट होनी है, लेकिन कोरोना महामारी के चलते आउटडोर शूट फिलहाल टाल दिया गया है। अगले छह महीने में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल शुरू होगा।

नागार्जुन साउथ के एक दिग्गज अभिनेता होने के साथ-साथ एक शानदार डांसर, प्रोड्यूसर, टीवी प्रेजेंटर और बिजनेसमैन भी हैं। साउथ में उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। वह बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आए हैं। नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य भी साउथ के सुपरस्टार हैं।

ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ नाम जुड़ने के बाद जैकलीन काफी मुश्किलों का सामना कर रही हैं। उनपर आरोप है कि जालसाजी में उन्होंने सुकेश चंद्रशेखर का साथ दिया।

जैकलीन की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह फिल्म राम सेतु में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार और अभिनेत्री नुसरत भरूचा काम कर रही हैं। वह जॉन अब्राहम की फिल्म अटैक में भी एक खास भूमिका निभाती दिखेंगी। इसके अलावा उन्हें अक्षय कुमार के साथ फिल्म बच्चन पांडे में देखा जाएगा। फिल्म में कृति सैनन भी हैं। रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस और सलमान खान की फिल्म किक 2 भी जैकलीन के खाते से जुड़ी है।

भारत को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराने के लिए लड़ने वाले महान नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस

सुरेश मुंजाल

परिचय – आजाद हिंद सेना का नाम लेते ही आंखों के सामने आते हैं देश की स्वतंत्रता के लिए विश्व भर में भ्रमण करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस,चलो दिल्ली की घोषणा करते हुए हिंदुस्तान मे आने वाली स्वतंत्रता संग्राम की कल्पना से आनंदित सेना और देश के लिए प्राणार्पण करने के लिए इच्छुक हिंदुस्तानी महिलाओं की झांसी की रानी की पलटन । नेता जी का योगदान और प्रभाव इतना महान था कि कुछ विद्वानों का मानना है कि यदि नेताजी उस समय भारत में उपस्थित होते, तो संभवत: विभाजन के बिना भारत एक संयुक्त राष्ट्र बना रहता। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम सबसे पहले आता है। नेताजी की सोच में एक अलग ही ऊर्जा थी, जिसने कई देशभक्त युवाओं के मन में उत्साह निर्माण किया। सुभाष चंद्र बोस अपने दृढ़ संकल्प और अपनी सोच से कभी समझौता नहीं करने के लिए जाने जाते थे। वे न केवल भारत के लिए परंतु दुनिया के लिए भी प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, इस घोषणा से प्रत्येक भारतीयों के मन में राष्ट्र प्रेम की ज्योत जला दी । अंग्रेजों से लड़ने के लिए संघर्ष किया परंतु प्रश्न यह है कि स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में भारत के इस महान नेता के विषय में कितना जाना जाता है? 23 जनवरी, सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती के उपलक्ष्य में उनसे संबंधित कुछ प्रसंग इस लेख में देने का प्रयास किया है । यह निश्चित रूप से हर भारतीय को प्रेरित करेगा।

शिक्षा और छात्र जीवन – नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी का जन्म 23.०1.1897 को कटक में एक बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने इंग्लैंड में आई. सी. एस. परीक्षा उत्तीर्ण की तथा आगे चलकर उन्होंने अपनी आई.सी.एस. डिग्री का त्याग किया । अंग्रेज जो अपने ही देशवासियों को सताते हैं उनकी नौकरी कभी नहीं करेंगे। ऐसे उन्होंने निश्चय किया । बचपन में सुभाष चंद्र बोस जिस विद्यालय में पढ़ रहे थे, उसके शिक्षक वेणीमाधव दास ने सुभाष चंद्र में छिपी देशभक्ति को जगाया। स्वामी विवेकानंद के साहित्य को पढ़ने के बाद सुभाष चंद्र उनके शिष्य बन गए। महाविद्यालय में पढ़ते समय, उन्होंने अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रवृत्ति विकसित की। कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर ओटेन भारतीय छात्रों के साथ बदतमीजी करते थे। इसलिए सुभाष चंद्र ने कॉलेज में हड़ताल का आह्वान किया था।

स्वतंत्रता संग्राम में प्रवेश और कार्य – कोलकाता के एक वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी चित्तरंजन दास के काम से प्रभावित होकर सुभाष बाबू, दास बाबू के साथ काम करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने इंग्लैंड से दास बाबू को पत्र लिखकर, उनके साथ काम करने की इच्छा प्रकट की थी ।1922 में, दासबाबू ने कांग्रेस के अंतर्गत स्वराज पक्ष की स्थापना की। बाद में चुनाव जीतकर दास बाबू स्वयं कोलकाता के मेयर बने। उन्होंने सुभाष बाबू को एनएमसी/महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। सुभाष बाबू ने अपने कार्यकाल में एनएमसी/महापालिका का काम बहुत अच्छे से किया। कोलकाता में सड़कों के अंग्रेजी नाम बदलकर भारतीय नाम कर दिए गए। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले क्रांतिकारियों के परिवारों को नगर निगम में नौकरी दी गई।

भारतीय स्वतंत्रता संगठन और आजाद हिंद रेडियो की स्थापना नाजीवादी जर्मनी में रहना और हिटलर से भेट – बर्लिन में सुभाष बाबू सबसे पहले रिबेंट्रोप और अन्य जर्मन नेताओं से मिले। उन्होंने जर्मनी में भारतीय स्वतंत्रता संगठन और आजाद हिंद रेडियो दोनों की स्थापना की। इस अवधि के दौरान सुभाष बाबू को %नेताजी% के नाम से जाना जाने लगा। जर्मन सरकार में मंत्री एडम वॉन ट्रॉट सुभाष बाबू के अच्छे दोस्त बन गए।

1937 में जापान ने चीन पर आक्रमण किया। फिर, सुभाष बाबू की अध्यक्षता में, कांग्रेस ने चीनी लोगों की सहायता के लिए डॉ द्वारकानाथ कोटनिस के नेतृत्व में एक चिकित्सा दल भेजने का फैसला किया। बाद में जब सुभाष बाबू ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जापान की मदद मांगी तो उन्हें जापान का हस्तक और फासिस्ट कहा गया। परंतु उपरोक्त घटना साबित करती है कि सुभाष बाबू न तो जापान के हस्तक थे और न ही वे फासिस्ट विचारधारा से सहमत थे।

फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना – 3 मई 1939 को सुभाष बाबू ने कांग्रेस के अंतर्गत फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपना पक्ष बनाया। कुछ दिनों बाद सुभाष बाबू को कांग्रेस से निकाल दिया गया। फॉरवर्ड ब्लॉक बाद में एक स्वतंत्र पक्ष बन गया।

द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने से पहले ही, फॉरवर्ड ब्लॉक ने स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष को तेज करने के लिए एक जन जागरूकता अभियान चलाया। इसलिए, ब्रिटिश सरकार ने सुभाष बाबू सहित फॉरवर्ड ब्लॉक के सभी प्रमुख नेताओं को कैद कर लिया। द्वितीय विश्व युद्ध के समय सुभाष बाबू के लिए जेल में निष्क्रिय रहना संभव नहीं था। सरकार को उन्हें रिहा करने के लिए मजबूर करने के लिए, सुभाष बाबू जी ने जेल में भूख हड़ताल शुरू किया। इसके बाद सरकार ने उन्हें छोड़ दिया। परंतु ब्रिटिश सरकार युद्धकाल में सुभाष बाबू को खुला रखना नहीं चाहती थी। इसलिए सरकार ने उन्हें उनके घर में नजरबंद रखा।

आज़ाद हिंद सेना की स्थापना – नेताजी ने स्वराज्य की स्थापना के मुख्य उद्देश्य के साथ आजाद हिंद की एक अस्थायी सरकार बनाने का निर्णय लिया। 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में अर्जी-हुकुमत-ए-आझाद-हिंद की (स्वाधीन भारत की अंतरिम सरकार) की स्थापना की, नेताजी स्वयं इस सरकार के अध्यक्ष, प्रधान मंत्री और युद्ध मंत्री बने। इस सरकार को कुल नौ देशों ने मान्यता दी थी। नेताजी आजाद भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ भी बने।

आजाद हिंद फौज में, ब्रिटिश सेना से जापानी सेना द्वारा पकड़े गए युद्ध के भारतीय कैदियों को भर्ती किया गया था। आजाद हिंद फौज में महिलाओं के लिए झांसी की रानी रेजीमेंट का भी गठन किया गया था।

पूर्वी एशिया में, नेताजी ने भारतीयों से आज़ाद हिंद सेना में भर्ती होने और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह करते हुए कई भाषण दिए। ये आवाहन करते हुए, उन्होंने, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। ऐसा नारा दिया । आजाद हिंद सेना ने बंगाल की खाड़ी में अंडमान और निकोबार के द्वीपों पर विजय प्राप्त की और उनका नाम क्रमश: शहीद और स्वराज्य रखा।

लापता और मौत की खबर – 18 अगस्त 1945 को नेताजी मंचूरिया के लिए उड़ान भर रहे थे। यात्रा के दौरान वे लापता हो गए । उसके बाद वो किसी को भी दिखाई नहीं दिए । 23 अगस्त 1945 को जापान की डोमी न्यूज एजेंसी ने दुनिया को बताया कि नेताजी का विमान 18 अगस्त को ताइवान की धरती पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और नेताजी की अस्पताल में जलने से मृत्यु हो गई थी। नेताजी की अस्थियां जापान की राजधानी टोकियो के रेनकोजी नामक बौद्ध मंदिर में रखी गई । 18 अगस्त 1945 को नेताजी सुभाष चंद्र कैसे और कहां लापता हो गए थे और वास्तव में उनके साथ क्या हुआ यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा अनुत्तरित रहस्य बन गया है।

भारत रत्न पुरस्कार – 1992 में, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका के आधार पर पुरस्कार वापस ले लिया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि नेताजी को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करना अवैध था क्योंकि उनकी मृत्यु का कोई सबूत नहीं था। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा नेताजी को दिया गया पुरस्कार वापस ले लिया गया। इतिहास में यह एकमात्र ऐसा मामला है जब भारत रत्न पुरस्कार वापस लिया गया हो।

सू- दोकू क्र. 101

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

उनके जाने से सूना हुआ कथक का आंगन

अतुल सिन्हा

16 जनवरी, 2०22 की रात करीब बारह-सवा बारह बजे का वक्त। दिल्ली के अपने घर में पंडित जी अपनी दो पोतियों रागिनी और यशस्विनी के अलावा दो शिष्यों के साथ पुराने फिल्मी गीतों की अंताक्षरी खेल रहे थे। हंसते-मुस्कराते, बात-बात पर चुटकी लेते पंडित जी को अचानक सांस की तकलीफ हुई और कुछ ही देर में वह सबको अलविदा कह गए। आगामी 4 फरवरी को 84 वर्ष के होने वाले थे। बेशक उन्हें कुछ वक्त से किडनी की तकलीफ थी, डायलिसिस पर भी थे, लेकिन उनकी जीवंतता और सकारात्मकता अंतिम वक्त तक बरकरार थी।

पंडित जी में आखिर ऐसा क्या था जो उन्हें सबका एकदम अपना बना देता था? कथक को दुनियाभर में एक खास मुकाम और पहचान दिलाने वाले पंडित जी आखिर कैसे एक संस्था बन गए थे और कैसे उन्हें नई पीढ़ी भी उतना ही प्यार और सम्मान देती थी? इसके पीछे थी उनकी कभी न टूटने वाली उम्मीद। कुछ साल पहले उनके साथ हुई मुलाकात के दौरान ऐसी कई यादगार बातें पंडित जी ने कहीं। वे कहते- कथक और शास्त्रीय नृत्य का भविष्य उज्ज्वल है, इसकी संजीदगी और भाव-भंगिमाएं आपको बांध लेती हैं। नई पीढ़ी को इसकी बारीकी समझ में आ रही है और बड़ी संख्या में देश-विदेश में बच्चे कथक सीख रहे हैं। वह यह भी बताते थे कि कैसे कथक मुगलों के ज़माने से सम्मान पाता रहा, भारतीय नृत्य और संगीत की परंपरा कितनी पुरानी है और कैसे उनके वंशज आसफुद्दौला से लेकर नवाब वाजिद अली शाह के दरबार में राज नर्तक और गुरु थे। उनके दादा कालिका महाराज और उनके चाचा बिंदादीन महाराज ने मिलकर लखनऊ के कालिका-बिंदादीन घराने की नींव रखी।

बातचीत में अक्सर पंडित जी अपने पिता अच्छन महाराज के अलावा अपने चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज का जिक्र करते थे। तीन साल के थे तभी पिता अच्छन महाराज ने उनमें ये प्रतिभा देखी और नृत्य सिखाने लगे। नौ साल के होते-होते पिता का साया उठ गया तो चाचा लच्छू महाराज और शंभु महाराज ने उन्हें शिक्षा दी। एक दिलचस्प किस्सा भी पंडित जी ने बताया था कि जिस वार्ड में उनका जन्म हुआ, उसमें उस दिन वे अकेले बालक थे, बाकी लड़कियां। सबने तभी कहा कि कृष्ण-कन्हैया आया है साथ में गोपियां भी आई हैं। ऐसे में नाम रखा गया बृजमोहन, जो बाद में बिरजू हो गया।

अपने जीवन से जुड़े ऐसे कई दिलचस्प किस्से पंडित जी सुनाया करते थे। वह यह भी कहते कि नर्तक सिर्फ नर्तक नहीं होता, उसे सुर की समझ होती है, संगीत उसके रग-रग में होता है। संगीत और नृत्य को कभी अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। इसलिए पंडित बिरजू महाराज बेहतरीन गायक भी थे, शानदार तबलावादक भी थे और तमाम तरह के तार और ताल वाद्य वे बजा लेते थे। अपने घराने की खासियत पंडित जी कुछ इस तरह बताते थे- बिंदादीन महाराज ने करीब डेढ़ हजार ठुमरियां रचीं और गाईं, कथक की इस शैली में ठुमरी गाकर भाव बताना इसी शैली में आपको मिलेगा। तत्कार के टुकड़ों 'ता थई, तत थई को' भी कई शैलियों और तरीकों से नाच में उतारा जाता है।

पंडित जी ने कई नृत्य शैलियां भी विकसित कीं और नए-नए प्रयोग किए। चाहे वह माखन चोरी हो, मालती माधव हो या फिर गोवर्धन लीला। इसी तरह उन्होंने कुमार संभव को भी उतारा और फाग बहार की रचना की।

मात्र तेरह साल के थे तभी दिल्ली के संगीत भारती में नृत्य सिखाने लगे थे। भारतीय कला केन्द्र से लेकर कथक केन्द्र तक वह लगातार संगीत और नृत्य की शिक्षा देते रहे। 1998 में कथक केन्द्र से रिटायर होने के बाद पंडित जी ने दिल्ली के गुलमोहर पार्क में अपना केन्द्र खोला- कलाश्रम कथक स्कूल। देश-विदेश में पंडित जी ने हजारों प्रस्तुतियां दीं। कोई भी संगीत और नृत्य समारोह पंडित बिरजू महाराज के बगैर खाली खाली-सा लगता था। स्पिक मैके के तमाम आयोजनों में नए बच्चों के बीच अक्सर पंडित जी घुल-मिलकर बातें करते और कथक के बारे में बताते।

गणतंत्र दिवस पर शहीद के परिजनों को की आभार पट्टिका भेंट

देहरादून (सं)। शहीदों को शत शत नमन तथा उनके परिजनों का सम्मान राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की आजादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में 'शहीदों को शत शत नमन' नाम से गणतंत्र दिवस के साथ-साथ एक मेगा इवेन्ट देश की राजधानी सहित संपूर्ण देश में आयोजित किया जा रहा है। इन सभी गतिविधियों का आयोजन एक साथ किया जा रहा है। इस दौरान राज्य निदेशालयों के कैडेटों, स्थायी प्रशिक्षण स्टाफ तथा एनसीसी अधिकारियों द्वारा शहीदों के उत्तराधिकारी सम्पूर्ण भारत में देखे जायेंगे।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा आज 26 जनवरी को लगभग पांच हजार शहीदों के उत्तराधिकारियों को आभार पट्टिका भेंट की गयी है। नेशनल कैडेट कोर को सम्मन पट्टिका भेट करने की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसी श्रंखला में आज एन सी सी ग्रुप मुख्यालय देहरादून के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एन एस ठाकुर तथा, 11 यूके के कैडेट्स एवं ए एन ओ द्वारा आज शहीद लांस नायक देवेंद्र प्रसाद सेना मेडल की पत्नी नंदी देवी बडोला को आभार पट्टिका भेंट की गई। सम्मन पट्टिका भेंट करने की यह प्रक्रिया स्वतंत्रता दिवस तक चलेगी जब तक कि राज्य के प्रत्येक शहीद को सम्मानित नहीं कर दिया जाता है।

भाजपा महानगर कार्यालय पर हुआ ध्वजारोहण

संवाददाता

देहरादून। सैकड़ों वर्षो के संघर्ष और हजारों कुर्बानियों के बाद मिली आजादी एवं भारतीय गणतंत्र की रक्षा करना देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है आज यहां महापौर सुनील उनियाल गामा ने भाजपा महानगर कार्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर हुए ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सैकड़ों वर्षो के संघर्ष और हजारों कुर्बानियों के बाद

मिली आजादी एवं भारतीय गणतंत्र को रक्षा करना देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सरदार भगत सिंह ,सुखदेव ,राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे अनेकों लोगों के बलिदान के कारण मिली आजादी को हमें केवल बरकरार रखना है वरन अपने गणतंत्र कोई स्थाई बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करना है। महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट ने कार्यकर्ताओं से सदैव अपने निजी स्वार्थों को छोड़कर देश हित में कार्य करने का आह्वान किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में महामंत्री रतन चौहान मीडिया, प्रभारी राजीव उनियाल, कार्यालय प्रभारी विनोद शर्मा, महेश गुप्ता, लछु गुप्ता, अनुराग भाटिया, सौरभ कपूर, विजय भट्ट, मंजू कोटनाला, राजीव राजौरी, पीएन डिमरी, विनोद पुंडीर, विजेंद्र राणा, रईस अंसारी, अकबर कुरेशी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

गुलाम नबी को पदम भूषण दिए जाने पर.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

को यह कहते हुए लौटा दिया था कि वह ऐसा करके आजाद हो गए हैं, लेकिन आप गुलाम हो गए। हालांकि कांग्रेस में शशि थरूर जैसे भी कुछ नेता हैं जिन्होंने गुलाम नबी आजाद को पदम भूषण दिए जाने का स्वागत किया है। वहीं खुद गुलाम नबी आजाद द्वारा इस पर अभी तक अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन इस प्रकरण से यह तो साफ हो गया है कि जिस स्तर से कपिल सिब्बल ने कांग्रेस पर यह कहते हुए निशाना साधा है कि जब कांग्रेस और देश को उनकी सामाजिक सेवाओं की जरूरत थी ऐसे समय में कांग्रेस को उनकी जरूरत नहीं रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीते कुछ सालों में कांग्रेस के अनेक युवा और बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़कर जाने से कांग्रेस कमजोर हो रही है लेकिन नेताओं के अंर्तकलह समाप्त होते नहीं दिख रहे हैं।

नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना पुलिस का कर्तव्य हैः डीजीपी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को बहुत से अधिकार देता है और उन अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

आज यहां गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस संकल्प की शपथ दिलायी। इसके पश्चात उन्होंने गणतंत्र दिवस 2022 के अवसर पर पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान कर सभी पदक विजेताओं को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है संविधान की रक्षा करना। हमारे देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखना हमारी मुख्य भूमिका है। उन्होंने कहा कि हमने सभी चुनौतियों का डटकर सामना किया है। पुलिस समाज के लिए बनी है। हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक

को बहुत से अधिकार देता है और उन अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पीडितों, महिलाओं, गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों के अधिकारों की रक्षा कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाना भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने समस्त पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों से अपने कार्यो के प्रति ईमानदार एवं पारदर्शी रहते हुए कर्तव्यपालन में अडिग रहने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक अभियोन पीवीके प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस संचार अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था वी मुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक अभिसूचना एवं सुरक्षा संजय गुंज्याल, पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण पूरन सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ पुष्पक ज्योति, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी श्रीमति विमला गुंज्याल सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति जया बलूनी अपर पुलिस अधीक्षक सहायक पुलिस महानिदेशक द्वारा किया गया।

पुलिस लाईन में किया ध्वजारोहण

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी ने पुलिस लाईन में ध्वजारोहण कर सभी को अपने कर्तव्यों को ईमानदारी एवं निष्पक्षता के साथ निर्वहन करने की शपथ दिलायी।

आज यहां 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस उपमानिरीक्षक, एसएसपी जन्मेजय खण्डूरी द्वारा पुलिस लाईन के प्रांगण में अधिनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर एसएसपी द्वारा अधिनस्थ अधिकारी कर्मचारियों को भारतीय संविधान की स्मृति दिलाते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा व निष्पक्षता के साथ निर्वहन करने की शपथ दिलायी।

इस अवसर पर एसएसपी द्वारा राज्यपाल उत्कृष्ट सेवा पदक एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किये जाने वाले समस्त पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के नामों की सूची से सभी उपस्थित लोगों को अवगत कराया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपराध, नगर द्वारा अपने-अपने कार्यालयों तथा समस्त क्षेत्राधिकारियों ने अपने-अपने सर्किल के थानों में ध्वजारोहण कर अधिनस्तों को शपथ दिलाई।

एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

संवाददाता

देहरादून। एसडीआरएफ मुख्यालय में ध्वजारोहण करने के पश्चात सेनानायक मणिकान्त मिश्रा ने कहा कि संविधान ,भारतीय गणतंत्र को जीवंत और सशक्त स्वरूप प्रदान करता है।

आज यहां एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय, जॉलीग्रांट देहरादून में देश के ७३वे गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास, जोश एवं उत्साह से मनाया गया। सेनानायक एसडीआरएफ मणिकांत मिश्रा द्वारा सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज को फहराया गया, इस दौरान सलामी गार्द द्वारा सलामी की कार्यवाही की गई व प्रांगण में मौजूद समस्त अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा राष्ट्र ध्वज के सम्मान में सेल्यूट किया गया। तत्पश्चात सेनानायक द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई गई। सेनानायक द्वारा समस्त अधिकारी, कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि २६ जनवरी को हर वर्ष हमारे देश में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है, २६ जनवरी १९५० के दिन पहली बार हमारे देश का संविधान लागू किया गया था, इस दिन को पूरे भारतवर्ष

में खुशी और उल्लास के साथ मनाने के साथ ही देश पर मर-मिटने वाले सभी सवतंत्रता सैनानियों को भी याद किया जाता है । उन्होंने कहा कि आज का दिन हर भारतवासी के लिए गौरवान्वित करने वाला है। हमारा संविधान ,भारतीय गणतंत्र को जीवंत और सशक्त स्वरूप प्रदान करता है , जिसका उत्सव आज हम मना रहे है। अनेकता में एकता वाले हमारे देश पर हमे गर्व करना चाहिए और ये प्रण भी लेना चाहिए कि राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित कराने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर स्वयं को आत्मसमर्पित करेंगे। सेनानायक द्वारा सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देने के साथ ही पदक विजेताओं को बधाई दी गयी । उक्त अवसर पर उप सेनानायक मिथलेश कुमार, सहायक सेनानायक प्रकाश देवली, कमल पंवार, निरीक्षक हरक सिंह राणा,सूबेदार मेजर जयपाल राणा इत्यादि भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड पुलिस द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर एसडीआरएफ के जिन १३ अधिकारियों/कर्मचारियों को राज्यपाल उत्कृष्ट सेवा पदक एवं उत्कृष्ट, सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान किये जाने की घोषणा की थी, उन्हें पुलिस मुख्यालय, देहरादून में पदक से अलंकृत किया गया।

एक नजर

बुद्धदेव भट्टाचार्य समेत 3 हस्तियों ने ठुकराए पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। बुजुर्ग वामपंथी नेता और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार की ओर से घोषित पद्मभूषण सम्मान लेने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही गुजरे जमाने की पार्श्व गायिका संध्या मुखर्जी और तबला वादक अनिंद्य चटर्जी ने भी पद्मश्री पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया है। उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य ने इस बाबत बयान जारी कर कहा, ष्पद्मभूषण पुरस्कार के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मुझे किसी ने इस बारे में पहले नहीं बताया है। अगर मुझे पद्मभूषण पुरस्कार देने का एलान किया गया है तो मैं इसे लेने से इनकार करता हूं।ष वहीं गायिका संध्या मुखोपाध्याय की बेटी सौमी सेनगुप्ता ने इंडिया टुडे से बातचीत में मां के पद्म श्री पुरस्कार ठुकारए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ६० साल की उम्र के बाद उनके जैसी दिग्गज को पद्मश्री प्रदान करना बेहद अपमानजनक बात है। तबला वादक अनिंद्य चटर्जी ने भी कहा कि अब इस उम्र (६७) में पद्मश्री मिलना सम्मानजनक नहीं है। मुझे बहुत पहले ही यह पुरस्कार मिलना चाहिए था। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब किसी हस्ती ने पद्म सम्मान लेने से इनकार किया है।

अदालत ने देह व्यापार के मामले में 41 को ठहराया दोषी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की जिला अदालत में देह व्यापार के मामले में ४१ आरोपियों को दोषी ठहराया गया है। अदालत ने सभी ४१ दोषियों को सजा सुनाई है। अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम १९५६ और आईपीसी की कई धाराओं में आरोपियों को दोषी ठहराया गया। दोषी ठहराए गए ४१ लोगों में ३३ महिलाएं और आठ पुरुष हैं। यह मामला साल २०१६ का है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन ने छापेमारी की थी। इस दौरान सौ के करीब नाबालिग लड़कियों व महिलाओं और बच्चों को रेस्क्यू कर छुड़ाया था। छुड़ाई गई लड़कियों को देश के अलग–अलग हिस्सों से यहां लाकर उन्हें खरीदा बेचा जाता था। उनसे जबरन देह व्यापार कराया जाता था। सामाजिक कार्यकर्ता और इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील सुनील चौधरी के आंदोलन के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया था। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने इस मामले में ४८ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। जेल भेजे गए ४८ आरोपियों में से ६ की मौत हो चुकी है। एक आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था। बचे हुए सभी ४१ आरोपी दोषी ठहराए गए हैं। जिला अदालत से आज सजा का ऐलान हुआ है।

आरआरबी रिजल्ट में धांधली के आरोप में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने ट्रेन फूंकी

गया । आरआरबी रिजल्ट में धांधली के आरोप में बिहार में छात्र उग्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को छात्रों ने गया जंक्शन पर खड़ी ट्रेन में आग लगा दी है। हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। गया के साथ ही बिहार के आरा, जहानाबाद, समस्तीपुर, रोहतास वैशाली, नवादा, नालंदा समेत कई इलाकों में छात्र रेलवे ट्रैक पर उतर गए हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। मंगलवार को भी छात्रो ने आरा में आरा–सासाराम पैसेंजर में आग लगा दी थी, तो वहीं नवादा में मेंटेनेंश गाड़ी को भी आग के हवाले कर दिया था। इस बाबत जानकारी देते हुए पूर्व मध्य रेलवे के सीपीआरओ राजेश कुमार ने बताया है कि छात्र आरआरबी रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर उग्र आंदोलन कर रहे है। जिसको देखते हुए बोर्ड ने एक कमिटी का गठन कर दिया है। जो छात्रों की समस्या का ना सिर्फ समाधान करेगी बल्कि छात्रों द्वारा किए जा रहे उग्र प्रदर्शन की भी जांच करेगी।सीपीआरओ राजेश कुमार ने छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की है। वहीं गया में ट्रेन में आगजनी के बाद मौके पर पहुंचे गया के एसपी ने भी छात्रों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

44 सालों से गांधी परिवार के क़रीब रहे किशोर उपाध्याय की भाजपा में जाने की चर्चा तेज

देहरादून (कासं)। चुनावी प्रक्रिया के समवेदी दौर में कांग्रेस के बड़े ब्राह्मण नेता किशोर उपाध्याय के भाजपा में जाने की खबर से कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लग सकता हैं। क्यूँकि उनके भाजपा में जाने से कई विधानसभा सीटों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।

पिछले 5 वर्षों से किशोर उपाध्याय वनाधिकार आंदोलन को लेकर प्रदेश में सक्रिया भूमिका निभा रहे हैं।

टिकट बंटवारे के घमासान में फंसी कांग्रेस

सूची में नहीं होगा बदलावः हरीश

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की दूसरी सूची जारी होने के बाद मचे घमासान के बाद भले ही उम्मीदवारों को सिंबल देने पर रोक लगा दी गई हो और इस सूची के अधिकांश प्रत्याशियों को बदले जाने की चर्चा आम हो, लेकिन इस बीच पूर्व सीएम हरीश रावत ने साफ कहा है कि प्रदेश स्तर पर अब सूची में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा तथा बाकी बची सीटों के लिए भी प्रत्याशियों की सूची कल तक जारी कर दी जाएगी।

कांग्रेस द्वारा जारी 11 प्रत्याशियों की दूसरी सूची को लेकर भारी विरोध देखा जा रहा है। आधे से भी अधिक सीटों पर विरोध को देखते हुए आज ओल्ड सर्वे रोड स्थित एक होटल में कांग्रेसी नेताओं ने बैठक की, जिसमें ताजा हालात पर विचार मंथन किया गया। बैठक के बाद पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि प्रदेश स्तर पर प्रत्याशियों की सूची में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा

❑16 सीटों पर कमजोर कांग्रेस, अंतिम सूची कल

कि 16 सीटें ऐसी चिन्हित की गई हैं जहां कांग्रेस की स्थिति कमजोर है उन्होंने कहा कि इन सीटों के लिए हमने रणनीति बनाई है। उन्होंने कहा कि इनमें से 4 सीटों पर प्रीतम सिंह तथा 4 सीटों पर गोदियाल मोर्चा संभालेंगे तथा 8 सीटों पर चुनाव जिताने की जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कल सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर देगी।

उल्लेखनीय है कि बीते कल पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा रामनगर सीट से लेकर जहां से खुद हरीश रावत पार्टी प्रत्याशी हैं से लेकर राजधानी की कैंट, डोईवाला, ऋषिकेश, खानपुर, लैंसडाउन, लाल कुआं व लक्सर सीट को लेकर भारी असंतोष सामने आया है। विरोध के कारण कांग्रेस में कल प्रत्याशियों को सिंबल देने पर रोक लगा दी गई थी। भले ही आज हरीश रावत अब सूची में बदलाव से इंकार कर रहे हो लेकिन सच यह है कि प्रदेश स्तर पर सीआईसी द्वारा जारी सूची में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है लेकिन विरोध के बाद सीआईसी इस सूची में बदलाव कर सकती है।

केंद्रीय चुनाव समिति इस सूची में कितने प्रत्याशी बदलती है या नहीं बदलती है इसकी जानकारी अब कल कांग्रेस की फाइनल सूची आने के बाद ही पता चल सकेगा। लेकिन कांग्रेस में कमजोर प्रत्याशियों को टिकट दिए जाने व इसका विरोध पार्टी को चुनाव में बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

कार से लाई जा रही तीन लाख से अधिक की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विधान सभा चुनावों के मद्देनजर आचार संहिता के उल्लंघन में पुलिस ने एक कार से तीन लाख नौ हजार सात सौ चालीस रूपये की नगदी बरामद की गयी है। कार चालक रकम के सम्बन्ध में कागजात दिखाने पर नाकाम रहा जिस पर पुलिस ने उक्त कैश के विषय में अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

विधान सभा चुनावों को सकुशल सम्पन्न कराने के परिपेक्ष्य में निरोधात्तमक कार्यवाही के अन्तर्गत आज थाना भगवानपुर पुलिस एवं स्टैटिक सर्विलान्स टीम द्वारा दौराने चैंकिंग एक कार को चैक किया गया। जिसमें पुलिस ने 3,09,740 रूपये की नगदी सहित कान्हा राम पुत्र देरामा राम निवासी जोधपुर राजस्थान से बरामद किये गये। बरामद किये गये रूपयों के सम्बन्ध मे उक्त व्यक्ति से कैश परिवहन के कागज तलब किये गये तो वह प्रस्तुत नही कर पाया। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित सैक्टर मजिस्ट्रेट के द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही अमल मे लायी जा रही है।

मोरा तारा ज्वैलर्स डकैती कांड में फरार रहा ईनामी बदमाश गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। मोरा तारा ज्वेलर्स डकैती कांड में लगभग पांच माह से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी डकैत को पुलिस ने कल देर रात बुलंदशहर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि पांच माह पूर्व हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में बदमाशों द्वारा मोरा तारा ज्वैलर्स के यहां संशस्त्र डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था। इस डकैती की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने पूर्व में ही 9 बदमाशों को गिरफ्तार कर उन्हे सलाखों के पीछे भेज दिया गया था। लेकिन इस मामले में एक बदमाश फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश में पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। डकैत के लगातार फरार रहने के चलते पुलिस उपमहानिरीक्षक गढ़वाल क्षेत्र द्वारा उस पर पांच हजार का ईनाम घोषित कर दिया गया था। हालांकि पुलिस उसकी जोर शोर से तलाश कर रही थी।

इस क्रम में बीते रोज ज्वालापुर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि उक्त बदमाश जनपद बुलंदशहर में अपने घर आया हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस मदद से उक्त बदमाश को उसके घर से दबोच लिया गया। जिस पर पूर्व में गैंगस्टर की कार्यवाही भी की जा चुकी है। गिरफ्तार बदमाश का नाम विकास उर्फ हिमांशु पुत्र राजबहादुर निवासी नई दिल्ली मूल ग्राम धूमरी थाना जैथरा जनपद एटा उत्तर प्रदेश बताया जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।